तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इ...
	अन्तिम निर्णय पारित किया गया और दोनो ही अलग-अलग प्रतीत होते है। पत्रावली में नोटिस जारी कर दिनांक 19-9-2019 को अन्तिम निर्णय पारित किया गया वो समस्त प्रक्रिया एक रूपता से तहत कार्यवाही नही कि गई है। इस आधार पर अपील अपीलान्ट स्वीकार किया जाकर तहसीलदार श्रीमाधोपुर द्वारा दिनांक 19/9/19 को अपास्त किया जाना उचित प्रतीत होता है। अत: उपरोक्त विवेचन के आधार पर अपील अपीलान्ट स्वीकार की जाती है तथा न्यायालय तहसीलदार श्रीमाधोपुर के मु० न० 97/2018 उनवानी सरकार बनाम मैं० सिट में दिनांक 19-9-19 को पारित आदेश अपास्त किया जाता है। अपील अपीलान्ट तहसीलदार श्रीमाधोपुर को इस आदेश के साथ रिमाण्ड कि जाती है कि मौके पर सही नाप जोख की जाकर एवं अपीलान्ट को सुनवाई का पूर्ण अवसर दिया जाकर पत्रावली मे पुन: निर्णय पारित करे। निर्णय कि पालना हेतु तहसीलदार श्रीमाधोपुर को निर्णय कि प्रति तहरीर के साथ भेजी जावे पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।

(अनिल कुमार)
...जिला ...
एव अति. जिला ...
नीमकाथाना

Signature Not Verified

Digitally signed by Anil Kumar
Date: 2024.02.02 11:30:31 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner

राजस्व अधिनियम 1956 कि धारा 91 (6)
के तहत नोटिस जारी किया गया है। यह
तथ्य भी स्पष्ट है कि अपीलार्थी द्वारा उक्त
भूमि के संबंध में उपखण्ड कार्यालय सवाईमाधोपुर
में वाद / प्रार्थना पत्र पेश कर रखा है जिसकी
प्रति पत्रावली में शामिल है। पत्रावली में
शामिल रिपोर्ट दिनांक 14-11-2019 में कथित
किया है कि अपीलार्थी द्वारा खसरा नम्बर
2301/1 किस्म चारागाह पर अतिक्रमण कर
लिया है जो तहसीलदार सवाईमाधोपुर द्वारा
अंकित किया है। खसरा नं 2313 पर नियमन
कमेटी ने दिनांक 24-6-99 को नियमन
किया गया है। जिसकी फोटो प्रति संलग्न है।
चारागाह भूमि पर अतिक्रमण हटाया जा
चुका है जिस बाबत अपीलार्थी द्वारा एक
प्रार्थना पत्र भी पेश किया है। न्यायालय
तहसीलदार सवाईमाधोपुर द्वारा पारित निर्णय
में गिरफ्तारी पत्र जारी करने हेतु अंकन दर्ज
है परन्तु ऐसा कोई दस्तावेज पत्रावली पर
नहीं है। अधिनस्थ न्यायालय तहसीलदार -
सवाईमाधोपुर द्वारा अपीलार्थी को तलब करने
हेतु जो नोटिस जारी किया गया जो
धारा 91 (6) के तहत जारी किया गया है।
परन्तु न्यायालय द्वारा जो निर्णय पारित
दिनांक 19-9-2019 को किया गया है जो
नोटिस जारी किया जिसके अनुसार निर्णय
पारित नहीं किया गया। अधिनस्थ न्यायालय
द्वारा जो निर्णय पारित किया गया है
जिसके अवलोकन से पाया गया है कि
निर्णय किस सैक्शन व किस धारा के
तहत पारित किया गया है जो स्पष्ट
प्रतीत नहीं होता है। इस प्रकार जो
प्रथम में नोटिस जारी किया गया एवं
पत्रावली मे अन्तिम निर्णय पारित किया
गया जो दोनो विरोधाभाषी है। जिस
धारा के तहत नोटिस जारी किया गया व

Signature Not Verified
Digitally signed by Anil Kumar
Date: 2024.02.02 11:30:31 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner